



महाप्रबंधक कार्यालय
पश्चिम मध्य रेल,
इंद्रा मार्केट, जबलपुर

रेलवे संचालन में सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए पश्चिम मध्य रेल में अधिक आधुनिक सिग्नलिंग और दूरसंचार समाधानों का प्रावधान

पमरे ने चार नये टिसिएएस, एबीएस, सीटीसी एवं ईआई आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली की योजना बनायी इसी के साथ दूरसंचार प्रणाली में ओएफसी, सीसीटीवी एवं एलटीई भी स्थापित होगी मानव त्रुटि के कारण ट्रेन की टक्कर की सम्भावना को खत्म करने और गति क्षमता बढ़ाने में मदद करने के लिए अधिक सिग्नल बैंडविड्थ उपलब्ध

पश्चिम मध्य रेल को अब तक 58 रेलवे स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) से बढ़ावा मिला हाई डेंसिटी रूट्स पर मौजूदा ट्रेनों को चलाने की क्षमता को बढ़ावा, 43 किलोमीटर मार्ग पर ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग की सुविधा

उच्च घनत्व और गहन माल ढुलाई के लगभग 775 किलोमीटर मार्ग पर मिशन मोड में स्वचालित सिग्नलिंग की योजना बनाई गई

पश्चिम मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री राहुल जयपुरियार ने आज दिनांक 05 जुलाई 2021 को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअल पत्रकार वार्ता को सम्बोधित किया। इस वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सीपीआरओ ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए पश्चिम मध्य रेल की कुछ प्रमुख उपलब्धियों के संबंध में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आधुनिक सिग्नल प्रणाली और दूरसंचार ट्रेन परिचालन में सुरक्षा बढ़ाती है। भारतीय रेलवे में उपयोग में आने वाले उपकरणों का अपग्रेडेशन और रिप्लेसमेंट एक सतत प्रक्रिया है और इस प्रक्रिया को इसकी स्थिति, परिचालन आवश्यकताओं और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर किया जाता है। पश्चिम मध्य रेल ने अगले पाँच वर्षों के लिए आधुनिक सिग्नल और दूरसंचार में सिग्नलिंग के ट्रेन कोलिजन अर्वाइडेंस सिस्टम, ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग, सेंट्रलाइज्ड ट्रैफिक कंट्रोल एवं इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग तथा दूरसंचार में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, सीसीटीवी एवं लॉन्ग टर्म एवोल्यूशन प्रणाली की योजनाओं को बढ़ावा देना है।

ट्रेन संचालन में सुरक्षा को और बेहतर बनाने और अतिरिक्त लाइन क्षमता उत्पन्न करने के लिए, सिग्नलिंग प्रणाली के आधुनिकीकरण का काम शुरू किया गया है, जिसमें शामिल हैं :-

1. **सुरक्षा और लचीलेपन को बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) का प्रावधान :-** ट्रेन संचालन में डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ प्राप्त करने और सुरक्षा बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग को बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा है। पमरे अब तक 58 स्टेशनों (जबलपुर-02, भोपाल-31 एवं कोटा-25) पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की व्यवस्था की गई है। भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) प्रदान करने के लिए भी नीतिगत निर्णय लिया गया है। इसके अलावा वर्ष 2021-22 में 34 स्टेशनों (जबलपुर-13, भोपाल-08 एवं कोटा-10) पर ईआई प्रदान करने की योजना है। इससे ट्रेन संचालन की सुरक्षा और दक्षता में वृद्धि होगी।

2. **लाइन क्षमता बढ़ाने के लिए स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग (एबीएस) :-** पश्चिम मध्य रेल के मौजूदा उच्च घनत्व वाले मार्गों पर अधिक ट्रेनें चलाने के लिए लाइन क्षमता बढ़ाने के लिए, स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग एक लागत प्रभावी समाधान है। अब तक 43 किलोमीटर रेल मार्ग (इटारसी-बुधनी (25 किमी), खुरई-मालखेड़ी (18 किमी)) पर स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली प्रदान की गई है। पमरे ने उच्च घनत्व और गहन माल ढुलाई मार्गों पर लगभग 775 किलोमीटर रेलमार्ग (इटारसी-बीना (230किमी), नागदा-मथुरा (545किमी)) पर स्वचालित सिग्नलिंग शुरू करने की योजना बनाई है। इस परियोजना पर मिशन मोड में काम शुरू करने की योजना है। स्वचालित सिग्नलिंग के कार्यान्वयन से क्षमता में वृद्धि होगी जिसके परिणामस्वरूप अधिक रेल सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

3. **लेवल क्रॉसिंग फाटकों पर सुरक्षा :-** लेवल क्रॉसिंग फाटकों पर सुरक्षा बढ़ाना चिंता का एक प्रमुख विषय रहा है। सिग्नल के साथ लेवल क्रॉसिंग को इंटरलॉक करने से सुरक्षा बढ़ जाती है। अभी तक पमरे ने लेवल क्रॉसिंग पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए 300 लेवल क्रॉसिंग फाटकों पर सिग्नल के साथ इंटरलॉकिंग प्रणाली प्रदान की है। वर्ष 2021-22 में 05 लेवल क्रॉसिंग फाटकों पर सिग्नल के साथ इंटरलॉकिंग प्रणाली शुरू करने की योजना है।

4. **मानव त्रुटि को रोकने के लिए लोको पायलट की सहायता के रूप में स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली :-** लोको पायलटों की सहायता के रूप में दुनिया में उन्नत रेलवे सिस्टम द्वारा एटीपी प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। ये प्रणाली लोको पायलट द्वारा किसी मानवीय त्रुटि के कारण टकराव को रोकते हैं। सुरक्षा में सुधार के लिए, अब मिशन मोड में पमरे को एटीपी प्रणाली प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। अब तक भारतीय रेल एटीपी प्रणाली के लिए विदेशी प्रौद्योगिकी पर निर्भर थी। भारतीय फर्मों के साथ भारतीय रेल ने अब सफलतापूर्वक एटीपी के लिए स्वदेशी लागत प्रभावी तकनीक विकसित की है - जिसे ट्रेन कोलिजन अर्वाइडेंस सिस्टम (टीसीएएस) कहा जाता है। माननीय प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन के तहत टीसीएएस को भारत के राष्ट्रीय एटीपी के रूप में अपनाने का निर्णय लिया गया है। पहले

चरण में महत्वपूर्ण मार्गों को शामिल करते हुए पमरे के 2338 किलोमीटर रेलमार्ग के लिए टीसीएस को मंजूरी दी गई है। टीसीएस के लागू होने से मानवीय भूल के कारण ट्रेन की टक्कर समाप्त हो जाएगी। इससे रेल की गति क्षमता में वृद्धि होगी जिससे यात्रा में लगने वाला समय कम होगा।

यह ध्यान देने योग्य है कि 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन को बढ़ावा देने के लिए, सरकार ने स्टेशनों और रेलगाड़ियों में सार्वजनिक सुरक्षा और सुरक्षा सेवाओं के लिए भारतीय रेलवे को 700 मेगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी बैंड में 5 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम के आवंटन को मंजूरी दी है। इस स्पेक्ट्रम के साथ, भारतीय रेलवे ने अपने मार्ग पर लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन (एलटीई) आधारित मोबाइल ट्रेन रेडियो संचार प्रदान करने की परिकल्पना की है। परियोजना में अनुमानित निवेश 25,000 करोड़ रुपये से अधिक है। यह परियोजना अगले 5 साल में पूरी हो जाएगी। साथ ही, यह 'मेक इन इंडिया' मिशन को पूरा करने और रोजगार पैदा करने के लिए सक्रिय विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए बहुराष्ट्रीय उद्योगों को आकर्षित करेगा।

पश्चिम मध्य रेल के लिए एलटीई का उद्देश्य रेलवे के परिचालन, रक्षा और सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय आवाज, वीडियो और डेटा संचार सेवाएं प्रदान करना है। इसका उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जाएगा :-

- स्वचालित रेलगाड़ी सुरक्षा के साथ आधुनिक कैब आधारित सिग्नलिंग प्रणाली की तैनाती जो ट्रेन संचालन में रक्षा और सुरक्षा को बढ़ाएगी। साथ ही कोहरे के दौरान भी यह मदद प्रदान करेगी।

- ड्राइवर, गार्ड, स्टेशन मास्टर, ट्रेन ट्रैफिक कंट्रोलर और मेंटेनेंस स्टाफ के बीच ट्रेन संचालन में निर्बाध सम्पर्क के साथ मिशन क्रिटिकल वॉयस कम्युनिकेशन।

- यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए ट्रेनों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सीमित वीडियो निगरानी (लाइव फीड) के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था।

- विशेष रूप से रोलिंग स्टॉक के लिये आईओटी आधारित एसेट मॉनिटरिंग की व्यवस्था।

- ट्रेनों और स्टेशनों पर यात्री सूचना प्रणाली (पीआईएस)।

एलटीई पहल के अलावा, रेलवे दूरसंचार में अन्य प्रमुख पहलें निम्नलिखित हैं :-

- 272 स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा का विस्तार किया गया है और 03 शेष व्यवहार्य स्टेशनों को जल्द ही शामिल किया जाएगा। इस सुविधा का उपयोग यात्रियों, स्थानीय विक्रेताओं, कुली आदि द्वारा किया जा रहा है।

- सुरक्षा में सुधार के लिए 24 स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और शेष स्टेशनों पर भी इसकी योजना है।

- रेलवे के 100 प्रतिशत मार्गों को ओएफसी आधारित प्रणाली (3000 रूट किलोमीटर रेलमार्ग) के साथ कवर किया गया है। इसका उपयोग रेलवे के आंतरिक संचार के लिए किया जा रहा है और अतिरिक्त क्षमता का आरसीआईएल द्वारा व्यावसायिक रूप से उपयोग किया जा रहा है।

- पश्चिम मध्य रेल में 100 प्रतिशत ई-फाइलिंग सिस्टम लागू है। प्रशासनिक कार्यों में सुधार के लिए सभी कार्यलयों में ई-ऑफिस उपलब्ध कराया गया है। 5446 से अधिक उपयोगकर्ता इसका उपयोग कर रहे हैं और अब तक 82800 से अधिक ई-फाइलें बनाई गई हैं। मौजूदा भौतिक फाइलों को डिजिटल फाइलों में बदला जा रहा है।

इस अवसर पर सीपीआरओ ने मीडिया प्रतिनिधियों से कहा कि हम आप के माध्यम से सभी यात्रियों/धनागरिकों से अनुरोध करना चाहते हैं कि वह कोविड-19 संक्रमण से बचने के लिए भारत सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी कोविड नियमों का पालन कर सावधानियां बरतें एवं मास्क जरूर पहनें तथा सिनेटाइजर का उपयोग करते रहें और अफवाह फैलाने वाले से सावधान रहें।

प्रेस वार्ता का संचालन कर रहे जनसंपर्क अधिकारी श्री आई. ए. सिद्दीकी ने उपस्थित सभी समानित मीडिया का आभार व्यक्त किया।

संख्या: पमरे/मुख्या/मुजसअधि/प्रेस विज्ञप्ति/232/2021 दिनांक 05.07.2021

सम्माननीय संपादक

कृपया जनहित में उपरोक्त समाचार अपने लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित कर सहयोग करें।

'सधन्यवाद

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर